<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1120

27 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण

1120. श्री रिपुन बोराः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश के इस्पात संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने एलॉय स्टील प्लांट, सालेम स्टील प्लांट, विश्वेसरैया आयरन और स्टील प्लांट (पी॰ आई॰ एस॰ पी॰) को बंद करने का निर्णय लिया है; और

(घ) इनकी बिक्री और/या विनिवेश के तथा इसके लिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित करने के क्या कारण हैं तथा इनकी कार्यनीतिक बिक्री योजना संबंधी प्रतिक्रिया का ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख): सरकार ने दिनांक 27 अक्टूबर 2016 को यह अनुमोदित किया है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की इकाइयों नामत: विश्वेश्वरैया लौह एवं इस्पात संयंत्र (भद्रावती), सेलम इस्पात संयंत्र (सेलम) तथा अलॉय इस्पात संयंत्र (दुर्गापुर) का विनिवेश दो चरणों वाली नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से अभिज्ञात रणनीतिक खरीददारों के पक्ष में किया जाएगा।

(ग): जी नहीं।

(घ): सेल की इन तीनों इकाइयों के विनिवेश का मुख्य कारण यह है कि ये इकाइयाँ निरंतर वर्ष-दर-वर्ष हानि उठा रही हैं। दिनांक 4 जुलाई 2019 को प्रारंभिक सूचना ज्ञापन/ रूचि अभिव्यक्ति, अनुरोध जारी किया गया था और इस संदर्भ में प्राप्त बोलियों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

****